SEM	Course Code	Course Title	Credits				
			L	T	P	Total	Level
First	MA/HIN/1/DSC/401 BA/HIN/H/7/DSC /401	भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा (प्रथम)	4			4	400
	MA/HIN/1/DSC/402 BA/HIN/H/7/DSC /402	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल)	4			4	400
	MA/HIN/1/DSC/403 BA/HIN/H/7/DSC /403	हिंदी की गद्य साहित्य भाग 1	4			4	400
	नोट: विकल्प 404 और 405 में से कोई एक विषय लेना है।						
	MA/HIN/1/DSC/ 404 BA/HIN/H/7/DSC/ 404	हिंदी उपन्यास का विशेष अध्ययन	4			4	400
	MA/HIN/1/DSC/405 BA/HIN/H/7/DSC/ 405	हिंदी निबन्ध का विशेष अध्ययन	4			4	400
	नोट:विकल्प 406 और 407 में से कोई एक विषय लेना है।						
	MA/HIN/1/DSC/406 BA/HIN/H/7/DSC/ 406	संत कबीरदास	4			4	400
	MA/HIN/1/DSC/407 BA/HIN/H/7/DSC/ 407	संत रविदास	4			4	400
	नोट:विकल्प SEC/VOC/INTERNSHIP में से कोई एक विषय लेना है।						
	MA/HIN/1/SEC/401	जनसंचार एवं संप्रेषण कौशल	4			4	400
	MA/HIN/1/VOC/401	पत्रकारिता प्रशिक्षण	4			4	400
	MA/HIN/1/Internship/401	Internship प्रशिक्षण	4			4	400
Second	MA/HIN/2/DSC/451 BA/HIN/H/8/DSC /451	भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा (द्वितीय)	4			4	400
	MA/HIN/2/DSC/452 BA/HIN/H/8/DSC /452	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4			4	400
	MA/HIN/2/DSC/453 BA/HIN/H/8/DSC /453	हिंदी का गद्य साहित्य भाग 2	4			4	400
	नोट:विकल्प 454 और 455 में से कोई एक विषय लेना है।						
	MA/HIN/2/DSC/454 BA/HIN/H/8/DSC/ 454	हिंदी कहानी साहित्य	4			4	400
	MA/HIN/2/DSC /455 BA/HIN/H/8/DSC/ 455	हिंदी नाटक साहित्य	4			4	400
	नोट:विकल्प 456 और 457 में से कोई एक विषय लेना है।						
	MA/HIN/2/DSC/456 BA/HIN/H/8/DSC/ 456	प्रेमचंद	4			4	400
	MA/HIN/2/DSC/457 BA/HIN/H/8/DSC/ 457	जयशंकर प्रसाद	4			4	400
	नोट:विकल्प SEC/VOC/INTERNSHIP में से कोई एक विषय लेना है।						
	MA/HIN/2/SEC/451	हिंदी पाठालोचन	4			4	400
	MA/HIN/2/VOC/451	कंप्यूटर में हिंदी का अनुप्रयोग	4			4	400
	MA/HIN/2/INTERNSHIP/451	Internship / प्रशिक्षण	4			4	400
Third	MA/HIN/3/DSC/501	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	4			4	400
	MA/HIN/3/DSC/502	काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन	4			4	400
	MA/HIN/3/DSC/503	आधुनिक हिंदी काव्य	4			4	400
	नोट:विकल्प 504 और 505 में से कोई एक विषय लेना है।						
	MA/HIN/3/DSC/504	भारतीय साहित्य	4			4	400
	MA/HIN/3/DSC/505	हरियाणवीं लोक साहित्य	4			4	400

	नोट:विकल्प 506 और 507 में से कोई एक विषय लेना है।						
	MA/HIN/3/DSC/506	रामचंद्र शुक्ल : निबंधकार रूप में	4			4	400
	MA/HIN/3/DSC/507	नंददुलारे वाजपयी: आलोचक रूप में	4			4	400
	नोट:विकल्प SEC/VOC/INTERNSHIP में से कोई एक विषय लेना है।						
	MA/HIN/4/SEC/451	प्रयोजनमूलक हिंदी	4			4	400
	MA/HIN/4/VOC/451	कंप्यूटर और हिंदी	4			4	400
	MA/HIN/4/INTERNSHIP/451	Internship / प्रशिक्षण	4		4	4	400
Fourth	MA/HIN/4/DSC/551	तुलनात्मक साहित्य: सिद्धांत और व्यवहार	4			4	400
	MA/HIN/4/DSC/552	शोध: स्वरूपगत विवेचना	4			4	400
	MA/HIN/4/DSC/553	सृजनात्मक लेखन और व्यावहारिकता	4			4	400
	नोट:विकल्प 554 और 555 में से कोई एक विषय लेना है।						
	MA/HIN/4/DSC/554	विमर्शात्मक साहित्य	4			4	400
	MA/HIN/4/DSC/555	हिंदी आलोचनात्मक विवेचना	4			4	400
	नोट:विकल्प 556 और 557 में से कोई एक विषय लेना है।						
	MA/HIN/4/DSC/556	समकालीन हिंदी साहित्य	4			4	400
	MA/HIN/4/DSC/557	विदेशी साहित्य (अनूदित)	4			4	400

पहला सेमेस्टर

MA/HIN/1/DSC/401

BA/HIN/H/7/DSC /401

भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा (प्रथम)

.

क्रेडिट: 4 | अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** | बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×14= 56 अंक**)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- भाषा और भाषा विज्ञान सिद्धांतों से परिचित कराना। हिंदी भाषा के विकास, विविध रूप एवं प्रयोजनमूलकता से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

- भाषा विज्ञान के विभिन्न अवयवों की जानकारी मिलेगी।
- भाषायी अध्ययन और साहित्य के भाषायी अध्ययन में मदद मिलेगी।
- हिंदी भाषा के विकास एवं उसकी बोलियों का ज्ञान होगा।
- हिंदी भाषा के विविध रूप एवं प्रयोजनमूलकता से परिचित होंगे।

खंड क

भाषा विज्ञान का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, अभिलक्षण (प्रवृत्तियाँ), भाषा विज्ञान के अध्ययन की दिशाएं; वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक, हिंदी की स्वनिम व्यवस्था – खंड्य और खंड्येतर, वाग्यंत्र और उनके कार्य।

खंड ख

स्वन की अवधारणा और वर्गीकरण, स्वनिम के भेद, रूपिम की अवधारणा एवं भेद (मुक्त,आबद्ध और सम्बन्धदर्शी), रूप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएं, हिंदी ध्वनियों का वर्गीकरण।

खंड ग

हिंदी शब्द रचना, हिंदी की रूप-रचना, वाक्य की अवधारणा, वाक्य के भेद, विश्लेषण, वाक्य की गहन एवं बाह्य संरचना, अर्थ की अवधारणा, शब्दों और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं।

खंड घ

हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय
हिंदी भाषा के विकास क्रम में पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्द्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उसकी विशेषताएँ
अवहट्ट और पुरानी हिंदी का सम्बन्ध।

संदर्भ सूची:

1. सामान्य भाषा विज्ञान, बाबूराम सक्सेना, साहित्य सम्मेलन प्रयाग।
2. हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास, उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार इलाहाबाद।
3. हिंदी भाषा उद्भव और विकास: हरदेव बाहरी, किताब महल इलाहाबाद।
4. भाषा विज्ञान की भूमिका, देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. हिंदी भाषा का इतिहास, धीरेन्द्र वर्मा हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयाग।
6. समसामयिक भाषा विज्ञान, लेखक वैष्णा नारंग,
7. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा

पहला सेमेस्टर

MA/HIN/1/DSC/402

BA/HIN/H/7/DSC/402

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल)

.

क्रेडिट: 4 | अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** | बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे I प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा I **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं I प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा I **(4×14= 56 अंक**)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

हिंदी साहित्य से परिचित करवाना।

हिंदी साहित्य के विभिन्न पड़ावों, आंदोलनों की जानकारी प्रदान करना।

आधुनिक काल के विभिन्न साहित्यिक आंदोलनों की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

इतिहास और साहित्येतिहास लेखन के महत्त्व और उसकी लेखन प्रक्रिया का परिचय होगा।

हिंदी साहित्य की विभिन्न पड़ावों, आंदोलनों की जानकारी होगी .

भारतीय इतिहास के परिवर्तनों और उसके हिंदी साहित्य पर पड़े प्रभावों की पहचान होगी।

खंड क

हिंदी इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास, हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं, हिंदी साहित्य इतिहास लेखन विधियाँ, हिंदी साहित्य का काल-विभाजन और नामकरण,

खंड ख

आदिकाल की वैचारिकता, आदिकाल की परिस्थितियाँ, नामकरण और प्रवृत्तियाँ, आदिकालीन हिंदी का जैन-सिद्ध-नाथ साहित्य की प्रवृत्तियाँ, अमीर खुसरो की कविता, विद्यापति और उनकी पदावली और आदिकालीन लौकिक साहित्य।

खंड ग

भक्तिकाल की वैचारिकता, भक्तिकाल के उदय के कारण, आलवार संत और नयनार, भक्ति काव्य: प्रमुख संप्रदाय और वैचारिक आधार, निर्गुण कवि (कबीर, जायसी, नानक) और सगुण कवि (तुलसीदास, सूरदास और मीराबाई) का काव्य और उसकी विशेषताएँ, भक्ति: एक स्वर्णयुग

खंड घ

रीतिकाल के विभिन्न सम्प्रदायों की वैचारिकता, रीतिकाल का युगबोध और नामकरण एवं सम्बन्धित मत, रीतिकालीन धाराएँ : रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य प्रवृत्तियाँ और प्रमुख कवि (केशवदास, चिंतामणि, देव, बिहारी, घनानंद), वीरकाव्य और नीतिकाव्य, आचार्यत्व

संदर्भ सूची:

1. हिंदी साहित्य का इतिहास, लेखक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल , नागरी प्रचारिणी सभा काशी,
2. हिंदी साहित्य की भूमिका, लेखक आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिंदी ग्रन्थ रत्नाकर,
3. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ. राम कुमार वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (दो खंड) गणपति चंद्र गुप्त, लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद
5. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स, प्रोफेसर रसाल सिंह, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली
6. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास – डॉ सुमन राजे
7. साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पाण्डेय
8. हिंदी साहित्य: उद्भव एवं विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी

पहला सेमेस्टर

MA/HIN/1/DSC/403

BA/HIN/H/7/DSC/403

हिंदी का गद्य साहित्य भाग 1

.

क्रेडिट: 4 | अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** | बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे I प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा I **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं I प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा I **(4×14= 56 अंक**)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

हिंदी गद्य साहित्य की विधाओं से परिचित किया जाएगा।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

हिंदी साहित्य के कथा साहित्य का ज्ञान होगा।

खंड क

हिंदी गद्य में हिंदी उपन्यास का उद्भव और विकास और अवधारणा, हिंदी उपन्यास पर पाश्चात्य प्रभाव और अन्य प्रभाव, हिंदी उपन्यास: प्रकार और विशेषताएँ, प्रमुख उपन्यासकार का सामान्य परिचय: प्रेमचंद, जैनेन्द्र, कृष्णा सोबती, भीष्म साहनी।

खंड ख

प्रेमचंद पूर्व उपन्यास और उसकी प्रवृत्तियाँ, प्रेमचंद युगीन उपन्यास प्रवृत्तियाँ, प्रेमचंदोत्तर उपन्यास और स्वातंत्र्योत्तर उपन्यास का सामान्य परिचय।

खंड ग

हिंदी कहानी का उद्भव और विकास, प्रमुख हिंदी कहानी आन्दोलन: अकहानी आन्दोलन, समांतर कहानी आन्दोलन, सचेतन कहानी आन्दोलन, नई कहानी आन्दोलन।

खंड घ

हिंदी नाटक और रंगमंच, भारतेंदु युगीन नाटक, प्रसाद युगीन नाटक
हिंदी का लोक रंगमंच, नुक्कड़ नाटक, हिंदी एकांकी

संदर्भ सूची:

1. हिंदी का गद्य साहित्य- डॉ रामचन्द्र तिवारी
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
3. आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द – डॉ बच्चन सिंह
4. आधुनिक हिंदी साहित्य – नंद्दुलारे वाजपयी
5. द्विवेदी युगीन निबन्ध साहित्य – गंगाबख्

पहला सेमेस्टर

MA/HIN/1/DSC/404

BA/HIN/H/7/DSC/404

हिंदी उपन्यास का विशेष अध्ययन

क्रेडिट: 4
परीक्षा समय: **3 घंटे**

अधिकतम अंक: **100**
बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×14= 56 अंक**)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

हिंदी उपन्यास साहित्य से परिचित किया जाएगा

हिंदी उपन्यास विकास परम्परा का ज्ञान करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

हिंदी उपन्यास की समझ विकसित होगी।

भारतीय मध्यम वर्ग, किसान और अन्य वर्गों की उपन्यासों में उपस्थिति का बोध होगा।

हिदी उपन्यासों की संरचना और शिल्प का बोध

खंड क

देवरानी-जेठानी की कहानी

- आलोचनात्मक प्रश्न:

  देवरानी-जेठानी की कहानी उपन्यास में कथावस्तु

  देवरानी-जेठानी की कहानी उपन्यास में समाज दर्शन

  देवरानी-जेठानी की कहानी उपन्यास चरित्र चित्रण: सर्वसुख, दौलतराम, पार्वती, आनंदी, ज्ञानो।

खंड ख

मैला आँचल – फणीश्वर नाथ रेणु

- आलोचनात्मक प्रश्न:

  मैला आँचल उपन्यास में आंचलिकता

  चरित्र-चित्रण (डॉ. प्रशांत, ममता, कमली/कमला)

  ग्रामीण जीवन की यथार्थवादी दृष्टिकोण

  मैला आँचल में राजनीतिक चेतना और स्वतंत्रता आंदोलन की भूमिका।

खंड ग

तमस – भीष्म साहनी

- ❖ आलोचनात्मक प्रश्न:
  तमस उपन्यास पर समीक्षात्मक निबन्ध
  तमस उपन्यास: राजनीतिक या सामाजिक
  तमस उपन्यस का प्रतिपाद्य
  चरित्र-चित्रण: नत्थू, रिचर्ड्स, हरनाम सिंह और शाहनवाज़

खंड घ

आपका बंटी – मन्नू भंडारी

- ❖ आलोचनात्मक प्रश्न:
  उपन्यास में बालमनोविज्ञान
  सामाजिक दस्तावेज़ अथवा व्यक्तिगत कथा
  वर्णित समस्याएँ
  चरित्र-चित्रण (बंटी, सकुन, अजय)

संदर्भ सूची:

1. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास – डॉ इंद्रनाथ मदान
2. प्रेमचंद और उनका युग – डॉ रामविलास शर्मा
3. हिंदी उपन्यास का इतिहास – गोपाल राय
4. आधुनिक हिंदी उपन्यास – सम्पादन भीषण साहनी
5. हिंदी उपन्यास एक अंत यात्रा – रामदरश मिश्र

पहला सेमेस्टर

MA/HIN/2/DSC/405

BA/HIN/H/7/DSC/405

हिंदी निबन्ध का विशेष अध्ययन

.

क्रेडिट: 4 — अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** — बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे I प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा I (**7×2= 14 अंक**)
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं I प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा I (**4×14= 56 अंक**)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

हिंदी निबन्ध साहित्य से परिचित किया जाएगा

हिंदी निबन्ध विकास परम्परा का ज्ञान करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

हिंदी निबन्ध की समझ विकसित होगी।

भारतीय मध्यम वर्ग, किसान और अन्य वर्गों की उपन्यासों में उपस्थिति का बोध होगा।

हिदी निबन्ध की संरचना और शिल्प का बोध

खंड क

<u>व्याख्या हेतु:</u>

भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो ?- भारतेंदु हरिश्चन्द्र

शिवमूर्ति – प्रताप नारायण मिश्र

- ❖ आलोचनात्मक प्रश्न:
  - भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो ? निबन्ध में स्वदेश भावना, सामाजिक-राजनीतिक और आर्थिक परिवेश
  - शिवमूर्ति निबंध में सामाजिक विसंगतियाँ, प्रासंगिकता, प्रतीकात्मकता दृष्टिकोण।

खंड ख

<u>व्याख्या हेतु:</u>

साहित्य जन समूह के हृदय का विकास – बालकृष्ण भट्ट

कविता क्या है ? – रामचंद्र शुक्ल

- ❖ आलोचनात्मक प्रश्न:
  - साहित्य जन समूह के हृदय का विकास – निबन्ध में आदर्शवादी या यथार्थवादी, शीर्षक की उपयुक्तता, केन्द्रीय भावना, तर्कपूर्ण-गद्यात्मक और भावात्मक शैली
  - कविता क्या है ? निबंध में परिभाषा, प्रकृति, उद्देश्य और मूल तत्त्व, आदर्शवादी अथवा यथार्थवादी, भावात्मक-कलात्मक और रसात्मक अभिव्यक्ति।

खंड ग

व्याख्या हेतु:

नाखून क्यों बढ़ते हैं ? – हज़ारी प्रसाद द्विवेदी

मज़दूरी और प्रेम – सरदार पूर्ण सिंह

- ❖ आलोचनात्मक प्रश्न:
  - नाखून क्यों बढ़ते हैं ? – निबंध में मनुष्य और पशु भेद, दार्शनिक व्याख्या या सामाजिक आलोचना, मानवतावादी दृष्टिकोण।
  - मज़दूरी और प्रेम – निबन्ध की प्रासंगिकता, मानवतावादी दृष्टि, किसान-मजदूर जीवन।

खंड घ

व्याख्या हेतु:

उठ जाग मुसाफ़िर – विवेकी राय

संस्कृति और सौदंर्य – नामवर सिंह

- ❖ आलोचनात्मक प्रश्न:
  - उठ जाग मुसाफ़िर - निबन्ध में केन्द्रीय भावना, आत्मिक और नैतिक मूल्य, भारतीय चेतना
  - संस्कृति और सौन्दर्य – निबन्ध में संस्कृति और सौन्दर्य में सम्बन्ध, समकालीन सांस्कृतिक विमर्श, प्रासंगिकता।

संदर्भ सूची:

1. भारतवर्ष उन्नति कैसे हो – भारतेंदु हरिश्चन्द्र
2. कविता क्या है ? – आचार्य शुक्ल
3. हिंदी निबन्ध के आधार स्तम्भ – हरी मोहन
4. हिंदी निबंध और निबंधकार – ठाकुर प्रसाद सिंह
5. हिंदी निबन्धकार – जयनाथ नलिन

पहला सेमेस्टर

MA/HIN/1/DSC/406

BA/HIN/H/7/DSC/406

संत कबीरदास

क्रेडिट: 4 | अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** | बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×14= 56 अंक**)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- ❖ कबीरदास के जीवन, साहित्य और दर्शन का परिचय करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

- ❖ कबीर के जीवन, साहित्य और दर्शन का परिचय होगा।
- ❖ कबीर के साहित्यिक अवदान की समझ होगी।
- ❖ कबीर के साहित्य सरोकारों और मूल्यों का बोध होगा।
- ❖ कबीर चिन्तन की भारतीय लोक-जीवन में उपस्थिति का बोध होगा।

खंड – क

व्याख्या हेतु

कबीर ग्रंथावली – सम्पादक हजारी प्रसाद द्विवेदी- पद संख्या 160-209

खंड – ख

आलोचनात्मक प्रश्न

- संत काव्य का वैचारिक आधार;
- संत काव्य का सामाजिक प्रभाव,
- संत काव्य परम्परा,
- कबीर का जीवन और साहित्य,
- कबीर के आलोचक,
- संत काव्य की प्रासंगिकता।

खंड – ग

आलोचनात्मक प्रश्न

- कबीर का सामाजिक विद्रोह
- कबीर के राम
- कबीर का समाज दर्शन
- कबीर की निर्गुण भक्ति भावना
- कबीर साहित्य की प्रासंगिकता

खंड – घ

आलोचनात्मक प्रश्न

- कबीर के काव्य का अभिव्यक्तिगत पक्ष- भाषा, अलंकार, उलटबाँसी
- कबीर की भाषा के विविध रूप—मूलाधार बोली, अभिव्यंजना पक्ष
- कबीर का परवर्ती साहित्य पर प्रभाव
- कबीर के राम और तुलसी के राम में अंतर

संदर्भ सूची:

1. कबीर की भूमिका – पुरुषोत्तम अग्रवाल
2. कबीर ग्रंथावली – सम्पादक हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. कबीर के आलोचक – डॉ धर्मवीर
4. कबीर काव्य मीमांसा – रामचन्द्र तिवारी
5. कबीर – डॉ सेवा सिंह
6. हिंदी काव्य में निर्गुण धारा – पीताम्बर दत्त बड़थाल
7. कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी
8. कबीर आधुनिक संदर्भ में – प्रोफेसर राजदेव सिंह

पहला सेमेस्टर

MA/HIN/1/DSC/407

BA/HIN/H/7/DSC/407

संत रविदास

क्रेडिट: 4

परीक्षा समय: **3 घंटे**

अधिकतम अंक: **100**

बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे l प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा l **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं l प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है l प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा l **(4×14= 56 अंक**)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

संत रविदास के जीवन, दर्शन और साहित्य का परिचय करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

संत रविदास के जीवन, दर्शन और साहित्य का परिचय होगा।

संतों की परम्परा में संत रविदास का बोध होगा।

संत रविदास का साहित्यिक चिन्तन की विशेषता में दक्षता होगी।

खंड – क

व्याख्या हेतु

गुरु ग्रन्थ साहिब में संकलित किए गए – 40 पद

खंड – ख

आलोचनात्मक प्रश्न

- भक्ति आन्दोलन का उद्भव एवं विकास
- निर्गुण भक्ति का स्वरुप
- संत काव्यधारा: संत का अर्थ, संत के लक्ष
- संत काव्य के प्रमुख कवि और संत काव्य की प्रवृत्तियाँ
- उत्तर और दक्षिण भारत के संतों में सम्बन्ध

खंड – ग

आलोचनात्मक प्रश्न

- संत रविदास (रैदास) का जीवन और व्यक्तित्व
- संत रविदास का सामाजिक चेतना पक्ष
- संत रविदास की भक्ति के स्वरूप
- संत रविदास की धार्मिक चेतना

- संत रविदास की नारी शिष्या (झालीरानी और मीराबाई)

खंड – घ

आलोचनात्मक प्रश्न

- संत रविदास और कबीर में सम्बन्ध
- संत रविदास और नामदेव का सम्बन्ध
- संत रविदास के श्रम की गरिमा
- संत रविदास के राम का स्वरूप
- रविदास संप्रदाय, संत रविदास का बेगमपुरा और अमृतदेश
- हिन्दू धर्म और रविदास
- बौध धर्म और रविदास परिचाई

संदर्भ सूची:

1. गुरु ग्रन्थ सिंह -
2. संत शिरोमणि रैदास वाणी और विचार – डॉ एन सिंह
3. संत रविदास – इंद्राराज सिंह
4. रैदास रचनावली – गोविन्द रजनीश
5. संत रैदास – योगेन्द्र सिंह
6. संत रैदास का निर्वर्ण संप्रदाय – डॉ धर्मवीर

पहला सेमेस्टर

MA/HIN/1/SEC/401

जनसंचार एवं सम्प्रेषण कौशल

क्रेडिट: 4 | अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** | बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड में से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×14= 56 अंक**)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- जनसंचार और संप्रेषण कौशल का व्यवहारिक पहलुओं से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

- सार्वजनिक मंचों पर अभिव्यक्ति की क्षमता विकसित होगी।
- वैयक्तिक, सामाजिक और व्यवसायिक व्यावहार में संवाद क्षमता विकसित होगी ।

खंड क

जनसंचार: अवधारणा

जनसंचार का स्वरूप और विकास

जनसंचार के सिद्धांत और और सिद्धान्तकार

खंड ख

सूचना प्रौद्योगिकी के विविध रूप

प्रिंट मीडिया का स्वरूप (समाचार-पत्र एवं पत्रिकाएं)

प्रिंट मीडिया की भाषा

खंड ग

भषा की सूचनात्मक क्षमता

सूचना सम्प्रेषण, वाचिक भाषा और लेखक भाषा

जनसंचार माध्यम एवं हिंदी

खंड घ

जनसंचार माध्यमों से सम्बन्धित हिंदी साहित्य
इलेक्ट्रोनिक संदर्भ के रूप में हिंदी का मानकीकरण: आवश्यकता, भाषा नियोजन नीति, भाषा स्थिरता
किताबी भाषा और माध्यमों की भाषा की अंतर

संदर्भ सूची:

1. मीडिया लेखन के सिद्धांत – डॉ एन सी पन्त
2. हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार – डॉ ठाकुर दत्त शर्मा आलोक
3. संचार से जनसंचार – रूपचंद गौतम
4. पत्रकारिता के सिद्धांत – डॉ रमेश चन्द्र त्रिपाठी
5. मीडिया भाषा और संस्कृति – कमलेश्वर

पहला सेमेस्टर

MA/HIN/1/VOC/401

हिंदी पत्रकारिता प्रशिक्षण

क्रेडिट: 4 | अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** | बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे I प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा I (**7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं I प्रत्येक खंड में से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से
   एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा I **(4×14= 56 अंक**)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

लोकतंत्र की रक्षा करना, सामाजिक सुधार , भाषा और संस्कृति संवर्धन

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

हिंदी भाषा का विस्तार, लोकतान्त्रिक सस्थाओं की मज़बूती I

पत्रकारिता के विविध दृष्टिकोणों की अभिव्यक्ति करना I

खंड क

पत्रकारिता का अर्थ, स्वरूप एवं प्रकार

पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास

पत्रकारिता का क्षेत्र और महत्त्व

खंड ख

समाचार एवं समाचार पत्र

समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम

सम्पादन कला के मूल सिद्धांत

खंड ग

समाचार पत्रों के विभिन्न स्तम्भों की योजना

पत्रकारिता सम्बन्धी विविध प्रकार के लेखन

इलेक्ट्रोनिक मीडिया की पत्रकरिता

खंड घ

प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला

लोक सम्पर्क, जन सम्पर्क एवं विज्ञापन

प्रजातान्त्रिक व्यवस्था: चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व

संदर्भ सूची:

1. मीडिया भाषा और संस्कृति – कमलेश्वर
2. हिंदी पत्रकारिता इतिहास एवं स्वरूप – शिवकुमार दुबे
3. हिंदी पत्रकारिता – कृष्ण बिहार मिश्र
4. पत्रकारिता प्रवेश और प्रवृत्तियाँ – डॉ पृथवीनाथ पाण्डेय
5. हिंदी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका – जगदीश्वर चतुर्वेदी

पहला सेमेस्टर

MA/HIN/1/Internship/401

प्रशिक्षण

क्रेडिट: 4
अध्यापन समय: 4 घंटे

अधिकतम अंक: **100**
संस्था रिपोर्ट: 30 अंक
अंतिम रिपोर्ट: 30 अंक
आंतरिक मूल्यांकन: 40 अंक

. उद्देश्य)Objectives of Internship)

- विद्यार्थियों को हिंदी भाषा, साहित्य और संप्रेषण कौशल के व्यावहारिक उपयोग का अनुभव देना।
- छात्रों को अनुवाद, लेखन, मीडिया, प्रकाशन, शिक्षण, सांस्कृतिक संगठन आदि में कार्य का अवसर प्रदान करना।
- विद्यार्थियों में रचनात्मकता, अनुसंधान क्षमता और पेशेवर जिम्मेदारी का विकास करना।

2. इंटर्नशिप की अवधि

- 4 से 8 सप्ताह
- कुल न्यूनतम 120–160 कार्य घंटे की इंटर्नशिप आवश्यक

3. संभावित इंटर्नशिप क्षेत्र

क्षेत्र	सभावित संस्था संगठन /
अनुवाद	राजभाषा विभाग, निजी अनुवाद एजेंसी, लोकलाइजेशन कंपनियाँ
पत्रकारितामीडिया/	समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, रेडियोटीवी चैनल/, वेब पोर्टल
शिक्षण कोचिंग /	विद्यालय, हिंदी कोचिंग सेंटर, टीचर ट्रेनिंग संस्थान
प्रकाशन संपादन /	प्रकाशन हाउस, ऑनलाइन पोर्टल, साहित्यिक पत्रिकाएँ
सांस्कृतिक संस्थान /NGO	साहित्यसंस्कृति पर कार्यरत एनजीओ/भाषा/
डिजिटल कंटेंट लेखन	ब्लॉग, वेब साइट, कंटेंट एजेंसी, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

4. इंटर्नशिप के घटक

1. कार्यपरियोजना (Work Assignment): संस्था द्वारा कार्य जैसे संपादन, अनुवाद, लेखन, रिपोर्टिंग आदि।

2. दैनिक प्रतिवेदन (Daily Log Book): छात्र अपनी दैनिक गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण दर्ज करेगा।
3. संस्था का मूल्यांकन (Mentor Feedback): संस्था द्वारा इंटर्न का प्रदर्शन मूल्यांकित किया जाएगा।
4. अंतिम रिपोर्ट (Internship Report): छात्र इंटर्नशिप के अनुभव व शिक्षण को लेकर 15–20 पृष्ठों की रिपोर्ट तैयार करेगा।
5. प्रस्तुतीकरण (Viva/Presentation): विभागीय समिति के समक्ष रिपोर्ट का मौखिक प्रस्तुतीकरण।

5. मूल्यांकन)Evaluation Criteria)

घटक	अंक
संस्था की रिपोर्ट प्रमाण पत्र /	30 अंक
अंतिम रिपोर्ट	30 अंक
मौखिक परीक्षा)Viva)	40 अंक
कुल अंक	100 अंक

6. रिपोर्ट लेखन का प्रारूप)Format of Internship Report)

1. भूमिका
2. संस्था का परिचय
3. कार्य का विवरण
4. अनुभव / समस्याएँ / समाधान
5. सीखी गई बातें (Learning Outcomes)
6. निष्कर्ष
7. प्रमाण-पत्र की प्रति

7. अतिरिक्त सुझाव

यदि छात्र चाहें तो स्वतंत्र परियोजना के रूप में लोक साहित्य संग्रह, भाषा सर्वेक्षण, मीडिया विश्लेषण, सोशल मीडिया लेखन आदि भी कर सकते हैं।

- इंटर्नशिप की रिपोर्ट को विश्वविद्यालय में कॉन्फ्रेंस / संगोष्ठी / पोस्टर प्रदर्शनी के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है।

SECOND SEMESTER

द्वितीय सेमेस्टर

MA/HIN/2/DSC/451

BA/HIN/H/8/DSC/451

भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा (द्वितीय)

.

क्रेडिट: 4 | अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** | बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×14= 56 अंक**)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

भाषा एवं भाषा विज्ञान के सिद्धांतों, हिंदी भाषा के विकास, विविध रूप तथा प्रयोजनमूलकता से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

भाषा विज्ञान के विभिन्न अवयवों की जानकारी मिलेगी।

भाषायी अध्ययन और साहित्य के भाषायी में मदद मिलेगी।

हिंदी भाषा के विकास और उसकी बोलियों का ज्ञान होगा।

खंड क

हिंदी की उपभाषाएँ:

पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी और उनकी बोलियाँ,

खड़ी बोली, ब्रज, अवधी की विशेषताएँ

हिंदी, उर्दू, दक्खिनी और हिन्दुस्तानी

खंड ख

देवनागरी लिपि का विकास और मानकीकरण

देवनागरी लिपि के सुधार और संशोधन

देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता

लिपि सुधार में सुधारकों का योगदान

खंड ग

हिंदी भाषा के विविध रूप:

मानक भाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, संचार भाषा

हिंदी की संवैधानिक यात्रा, विश्व में हिंदी का महत्त्व

हिंदी भाषा शिक्षण: स्वरूप एवं उद्देश्य,

खंड घ

हिंदी में कंप्यूटर सुविधाएँ: आकड़ा संसाधन और शब्द संसाधन.
हिंदी उच्चारण, वर्तनी शोधक और व्याकरण का शिक्षण,
हिंदी शब्द रचना –उपसर्ग; प्रत्यय;समास,
रूप रचना—लिंग, वचन, और कारक
मशीनी अनुवाद, हिंदी का कंप्यूटर में अनुप्रयोग

संदर्भ सूची:

1. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र नाथ शर्मा
2. हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
3. आधुनिक भाषा विज्ञान – कृपा शंकर सिंह और चतुर्भुज सहाय
4. हिंदी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा
5. प्रयोजनमूलक हिंदी – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

द्वितीय सेमेस्टर

MA/HIN/2/DSC/452

BA/HIN/H/8/DSC /452

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिककाल).

क्रेडिट: 4
परीक्षा समय: 3 घंटे

अधिकतम अंक: 100
बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। (7×2= 14 अंक)
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। (4×14= 56 अंक)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

हिंदी आधुनिक साहित्य से परिचित करवाना।
हिंदी साहित्य के विभिन्न पड़ावों, आंदोलनों की जानकारी प्रदान करना।
आधुनिक काल के विभिन्न साहित्यिक आंदोलनों की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

हिंदी गद्य और आधुनिकता लेखन के महत्त्व और उसकी लेखन प्रक्रिया का परिचय होगा।
हिंदी साहित्य की विभिन्न पड़ावों, आंदोलनों की जानकारी होगी .
भारतीय इतिहास के परिवर्तनों और उसके हिंदी साहित्य पर पड़े प्रभावों की पहचान होगी।

खंड क

आधुनिकता की अवधारणा, हिंदी गद्य का उद्भव और विकास, हिंदी गद्य का उद्भव और विकास, भारतेंदु और उनका मंडल, महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका मंडल।

खंड ख

छायावादी, राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा, हालावाद, मांसलवाद
प्रगतिवादी और प्रयोगवादी साहित्य का सामान्य विशेषताएँ और प्रमुख कवि (नागार्जुन, अज्ञेय, शमशेर बहादुर)

खंड ग

नई कविता और समकालीन कविता का सामान्य परिचय, प्रवृत्तियाँ, नवगीत प्रतिनिधि रचनाकार एवं उसकी विशेषताएँ, समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता।

खंड घ

गद्य के विकास में विधाओं का योगदान, हिंदी उपन्यास का योगदान, हिंदी नाटक का योगदान, हिंदी कहानी का योगदान, हिंदी निबन्ध का योगदान, हिंदी आलोचना का योगदान।

संदर्भ सूची:

1. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास – डॉ सुमन राजे
2. साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पाण्डेय
3. हिंदी साहित्य: उद्भव एवं विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का इतिहास, लेखक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल , नागरी प्रचारिणी सभा काशी,
5. हिंदी साहित्य की भूमिका, लेखक आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिंदी ग्रन्थ रत्नाकर,
6. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ. राम कुमार वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (दो खंड) गणपति चंद्र गुप्त, लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद
8. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स, प्रोफेसर रसाल सिंह, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली

द्वितीय सेमेस्टर

MA/HIN/2/DSC/453

BA/HIN/H/8/DSC/453

हिंदी गद्य साहित्य भाग 2

क्रेडिट: 4	अधिकतम अंक: 100
परीक्षा समय: 3 घंटे	बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक
	आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे I प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा I (7×2= 14 अंक)
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं I प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा I (4×14= 56 अंक)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

हिंदी गद्य साहित्य की विधाओं से परिचित किया जाएगा।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

हिंदी साहित्य के कथा साहित्य का ज्ञान होगा।

खंड क

हिंदी निबन्ध: उद्भव और विकास, हिंदी निबन्ध के प्रकार और प्रमुख निबंधकार: आचार्य शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, बालकृष्ण भट्ट, हरिशंकर परसाई, विद्यानिवास मिश्र।

खंड ख

हिंदी आलोचना: उद्भव और विकास, आलोचना के विविध प्रकार और आलोचक: आचार्य शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नंददुलारे वाजपयी, डॉ. रामिलास शर्मा, डॉ. नामवर सिंह, डॉ. नगेन्द्र,

खंड ग

अन्य गद्य विधाएं: जीवनी: उद्भव और विकास, आत्मकथा: उद्भव और विकास , यात्रा साहित्य: उद्भव और विकास, संस्मरण और रेखाचित्र का उद्भव और विकास।

खंड घ

हिंदी एकांकी: उद्भव और विकास, हिंदी रिपोर्ताज: उद्भव और विकास, दक्खिनी हिंदी: उद्भव और विकास, उर्दू साहित्य: संक्षिप्त परिचय, हिंदीतर क्षेत्रों तथा देशांतर में हिंदी भाषा और साहित्य।

संदर्भ सूची:

1. हिंदी साहित्य का वस्तुपरक इतिहास – रामप्रसाद मिश्र
2. साहित्य और इतिहास – मैनेजर पांडे
3. हिंदी साहित्य का इतिहास – सम्पादक डॉ नगेन्द्र
4. आधुनिक हिंदी साहित्य: आलोचना के विविध आयाम – डॉ नगेन्द्र
5. हिंदी आलोचना की भूमिका – डॉ नंदकिशोर नवल
6. द्विवेदी युगीन निबन्ध साहित्य – गंगाबख्त सिंह
7. भारतेंदु हरिश्चंद और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ – रामविलास शर्मा
8. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – बच्चन सिंह

दूसरा सेमेस्टर

MA/HIN/2/DSC/454

BA/HIN/H/8/DSC/454

हिंदी कहानी साहित्य

क्रेडिट: 4 | अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** | बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे I प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा I **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं I प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा I **(4×14= 56 अंक**)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

हिंदी कहानी साहित्य में जीवन और समाज का यथार्थ चित्रण प्रस्तुत करना

नैतिक और मानवीय मूल्यों की स्थापना का बोध होगा।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

समाज में परिवर्तन की चेतना विकसित होगी।

पारम्परिक और आधुनिक मूल्यों की समझ विकसित होगी।

खंड क

व्याख्या हेतु कहानियां

दुलाईवाली – राजेन्द्र बाला घोष

एक टोकरी भर मिट्टी – माधवराव स्प्रे

राही – सुभद्राकुमारी चौहान

- ❖ आलोचनात्मक प्रश्न
  - दुलाईवाली कहानी : स्त्री विमर्श: सामाजिक यथार्थ, दुलाईवाली का चरित्र-चित्रण
  - एक टोकरी भर मिट्टी: विस्थापना की पीड़ा, मातृभूमि और मानवीय सम्बन्ध, वृद्धा का चरित्र

खंड ख

दुनिया का अनमोल रतन – प्रेमचंद

आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद

उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी

- ❖ आलोचनात्मक प्रश्न
  - दुनिया का अनमोल रतन कहानी : केन्द्रीय सन्देश, भाषा शैली, राजा का चरित्र चित्रण।
  - आकाशदीप कहानी : प्रेम और त्याग की भावना, प्रासंगिकता, पुरुष और स्त्री चित्रण।

खंड ग

अपना अपना भाग्य – जैनेन्द्र

तीसरी कसम उर्फ़ मारे गए गुलफाम – फणीश्वर नाथ रेणु

कोसी का घटवार – शेखर जोशी

- ❖ आलोचनात्मक प्रश्न
  - अपना अपना भाग्य कहानी : केन्द्रीय सन्देश, समीक्षात्मक निबन्ध, पहाड़ी लड़के का चरित्र-चित्रण
  - तीसरी कसम उर्फ़ मारे गए गुलफाम कहानी : शीर्षक 'तीसरी कसम' का औचित्य, ग्रामीण संस्कृति और लोक जीवन, त्रासदी, चरित्र चित्रण: हीरामन और हीराबाई।

खंड घ

वाङ्चू– भीष्म साहनी

राजा निरबंसिया – कमलेश्वर

अम्माएं – दूधनाथ सिंह

- ❖ आलोचनात्मक प्रश्न
  - वाङ्चू कहानी : सामाजिक-सांस्कृतिक संघर्ष, वाङ्चू का चरित्र-चित्रण
  - राजा निरबंसिया कहानी : कमलेश्वर की सामाजिक दृष्टि का विश्लेषण, कथानक का विस्तार, कहानी में निहित विडंबनाएं।
  - अम्माएं कहानी: स्त्री-पुरुष सम्बन्ध, विचार और सन्देश, मुख्य पात्र का चयन।

संदर्भ सूची:

1. हिंदी कहानी प्रवृत्ति और संदर्भ – देवी शंकर अवस्थी
2. दुलाईवाली – राजेंद्र बाला घोष
3. राही – सुभद्राकुमारी चौहान
4. कहानी: अनुभव और शिल्प – जैनेन्द्र कुमार
5. कहानी: नयी कहानी – डॉ नामवर सिंह

दूसरा सेमेस्टर

MA/HIN/2/DSC/455

BA/HIN/H/8/DSC/455

हिंदी नाटक साहित्य

क्रेडिट: 4 | अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** | बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे I प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा I (**7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं I प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा I **(4×14= 56 अंक**)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

हिंदी का प्रमुख नाटकों का अध्ययन कराना और उससे सम्बन्धित व्यवहारिक ज्ञान देना

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

हिंदी नाटक में माध्यम से विद्यार्थी अभिनय की बारीकियों को समझेंगे

ऐतिहासिक नाटक को पढ़ते हुए विधार्थियों की ऐतिहासिक दृष्टि का विकास होगा।

नाटक के माध्यम से भारतीय संस्कृति का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

(खंड- क)

अंधेर नगरी – भारतेंदु हरिश्चन्द्र

- ❖ आलोचनात्मक प्रश्न
  अंधेर नगरी नाटक: मुख्य उद्देश्य,
  अंधेर नगरी: रंगमंचीयता
  नामकरण की सार्थकता,
  पात्र-चित्रण (गुरु महंत, चेला गोवर्धन दास)

(खंड- ख)

स्कन्दगुप्त – जयशंकर प्रसाद

- ❖ आलोचनात्मक प्रश्न
  स्कन्दगुप्त नाटक: कथानक,
  स्कंदगुप्त में प्रतिपाद्य,
  ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और राष्ट्रीयता,
  नाट्य विशेषताएँ,
  पात्र का चरित्र-चित्रण (स्कन्दगुप्त, देवसेना)

(खंड- ग)

बकरी – सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

- आलोचनात्मक प्रश्न:
  बकरी: नाटक के अंकों का मुख्य सार
  नाटक की समीक्षा
  नाटक का उद्देश्य
  मुख्य पात्र का चरित्र चित्रण (कर्मवीर, सत्यवीर, दुर्जन सिंह और विपत्ति)

(खंड- घ)

अंजो दीदी – उपेन्द्रनाथ अश्क

- आलोचनात्मक प्रश्न:
  अंजो दीदी नाटक का मुख्य कथानक
  उद्देश्य
  प्रासंगिकता
  मुख्य पात्र का चरित्र-चित्रण (अंजलि, श्रीपत, इन्द्रनारायण)

संदर्भ सूची:

1. अंधेर नगरी – भारतेंदु
2. गोदान – प्रेमचंद
3. स्कन्दगुप्त – जयशंकर प्रसाद
4. अंजो दीदी – उपेन्द्रनाथ अश्क
5. हिंदी नाटक का उद्भव और विकास – दशरथ ओझा

द्वितीय सेमेस्टर

MA/HIN/2/DSC/456

BA/HIN/H/8/DSC/456

प्रेमचंद

क्रेडिट: 4

परीक्षा समय: **3 घंटे**

अधिकतम अंक: **100**

बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे I प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा I **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं I प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा I **(4×14= 56 अंक**)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- प्रेमचंद के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

- प्रेमचंद के जीवन, साहित्य और दर्शन का बोध।
- प्रेमचंद का कथा सरोकारों और मूल्यों का बोध होगा।
- प्रेमचंद के उपन्यास, कहानी, निबंध और नाटक में दक्षता प्राप्त होगी।

खंड क

उपन्यास (गोदान) : प्रेमचंद

- आलोचनात्मक प्रश्न
  गोदान की कथावस्तु और शिल्प
  गोदान में चित्रित गाँव और शहर
  गोदान कृषक जीवन का महाकाव्य है –सिद्ध कीजिए
  गोदान में पात्र (होरी, धनिया, गोबर, झुनिया, प्रोफेसर मेहता)

खंड ख

चयनित कहानियां: प्रेमचंद

बड़े घर की बेटी, पूस की रात, ठाकुर का कुआँ, नमक का दरोगा, ईदगाह, बड़े भाई साहब

- आलोचनात्मक प्रश्न
  बड़े घर की बेटी कहानी की मूल संवेदना
  पूस की रात में किसान की मुख्य समस्या
  ठाकुर का कुआँ में वर्णित जातीय वर्ग-संघर्ष
  नमक का दरोगा कहानी में प्रतिपाद्य
  पात्र का चरित्र-चित्रण (हामिद, बड़े भाई साहब, हल्कू, वंशीधर बाबू)

खंड ग

चयनित निबन्ध: प्रेमचंद

साहित्य का उद्देश्य

हिन्दू समाज के वीभत्स दृश्य – 2 (अन्धविश्वास)

कहानी कला भाग 1

जीवन में साहित्य का स्थान

❖ आलोचनात्मक प्रश्न:
- हिन्दू समाज के वीभत्स दृश्य – 2 (अन्धविश्वास) में प्रेमचंद उद्देश्य
- प्रेमचंद अनुसार साहित्य का उद्देश्य
- जीवन में साहित्य का स्थान और उसकी प्रासंगिकता
- प्रेमचंद अनुसार कहानी कला के मुख्य तत्त्व क्या है ?

खंड घ

चयनित एकांकी: प्रेमचंद

कवि, पशुता, प्रेम की बेदी, मैकू।

❖ आलोचनात्मक प्रश्न:
- कवि एकांकी में कथावस्तु और शिल्प
- पशुता एकांकी का मुख्य और गौण प्रतिपाद्य
- प्रेम की वेदी एकांकी का समीक्षात्मक निबन्ध
- मैकू एकांकी में मैकू की चारित्रिक विशेषताएँ

सदर्भ सूची:

1. प्रेमचंद रचनावली – सम्पादक कमल किशोर गोयनका
2. प्रेमचंद घर में – शिवरानी देवी
3. प्रेमचंद के श्रेष्ठ निबन्ध – सत्य प्रकाशन
4. प्रेमचंद की प्रतिनिधि कहानियां –
5. साहित्य का उद्देश्य – प्रेमचंद
6. गोदान – प्रेमचंद

द्वितीय सेमेस्टर

MA/HIN/2/DSC/457

BA/HIN/H/8/DSC/457

जयशंकर प्रसाद

क्रेडिट: 4 | अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** | बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×14= 56 अंक**)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

जयशंकर प्रसाद के जीवन दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

जयशंकर प्रसाद के जीवन, दर्शन और साहित्य का बोध होगा।

छायावादी युग और आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रौढ़ता में जयशंकर प्रसाद के साहित्य के महत्त्व का बोध होगा।

जयशंकर प्रसाद का साहित्य सरोकारों और मूल्यों का बोध होगा।

खंड – क

चन्द्रगुप्त – नाटक

❖ आलोचनात्मक प्रश्न:
- चन्द्रगुप्त नाटक में राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक चेतना
- चन्द्रगुप्त नाटक पर समीक्षात्मक निबंध
- चन्द्रगुप्त नाटक का प्रतिपाद्य (उद्देश्य)
- चन्द्रगुप्त नाटक के पात्र (चन्द्रगुप्त, विष्णुगुप्त, कार्नेलिया, सिंहरण)

खंड – ख

आंसू – काव्य

❖ आलोचनात्मक प्रश्न:
- आंसू में वर्णित विरह वेदना
- चन्द्रगुप्त नाटक का प्रतिपाद्य (उद्देश्य)
- आंसू में वर्णित प्रतीकात्मकता

खंड – ग

तितली – उपन्यास

- ❖ आलोचनात्मक प्रश्न:
    - तितली उपन्यास में कथावस्तु और शिल्प
    - तितली उपन्यास पर समीक्षात्मक निबंन्ध
    - तितली उपन्यास में वर्णित मुस्लिम समाज के पतनशील जीवन वर्णन
    - तितली उपन्यास में चरित्र- चित्रण (तितली, मधुबन, शैला)

खंड – घ

कहानियां:
गुंडा, शरणागत, मधुवा, सिकन्दर की शपथ

- ❖ आलोचनात्मक प्रश्न:
    - गुण्डा कहानी में वर्ग-संघर्ष और व्यवस्था पर व्यंग्य
    - शरणागत कहानी में भारतीय संस्कृति और नारी गरिमा
    - मधुवा कहानी में जयशंकर प्रसाद क्या सन्देश देना चाहते है ?
    - सिकन्दर की शपथ कहानी में वर्णित साहित्यिक विशेषताएँ।

संदर्भ सूची:

1. जयशंकर प्रसाद – रमेश चन्द्र शाह
2. प्रसाद का गद्य साहित्य – राजमणि शर्मा
3. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता – प्रभाकर क्षोत्रिय
4. तितली उपन्यास – जयशंकर
5. प्रसाद का नाट्य साहित्य : परम्परा और प्रयोग – हरिश्चंद

द्वितीय सेमेस्टर

MA/HIN/2/SEC/451

हिंदी पाठालोचन

क्रेडिट: 4 | अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** | बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड में से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×14= 56 अंक**)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

साहित्यिक पाठ की गहराई से समझ विकसित करना।
पाठक की सक्रिय भागदारी सुनिश्चित करना।
रचना और सृजन की प्रकृति को समझना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

साहित्यिक बोध और अभिरुचि में वृद्धि होगी।
शोध के लिए मार्ग प्रशस्त होंगे।
आलोचना और विश्लेषण की वैज्ञानिक समझ विकसति होगी।

खंड क

पाठालोचन का अर्थ, परिभाषा और महत्त्व
पाठालोचन का इतिहास और विकास
पाठालोचन और साहित्यालोचन में अंतर

खंड ख

पाठालोचन सिद्धांत: मूल पाठ निर्धारण
पाठालोचन सिद्धांत: पाठ का सम्पादन
पाठालोचन सिद्धांत: पाठ की व्याख्या
पाठालोचन सिद्धांत: पाठ की प्रमाणिकता

खंड ग

पाठालोचन विधियाँ: सामग्री का संग्रह
पाठालोचन विधियाँ: पाठ का चयन
पाठालोचन विधियाँ: पाठ का संशोधन
पाठालोचन विधियाँ: पथ का मूल्यांकन

खंड घ

पाठालोचन में सम्पादक के गुण
पाठालोचन की विशेषताएँ
पाठालोचन का महत्त्व
पाठालोचन की समस्याएँ और समाधान

संदर्भ सूची:

1. डॉ. नामवर सिंह – पाठ का संरचनात्मक अध्ययन
2. डॉ. रामविलास शर्मा – पाठ की संस्कृति
3. डॉ. रामचंद्र शुक्ल – हिंदी साहित्य का इतिहास
4. श्रीनिवास अय्यंगार – टेक्स्ट क्रिटिसिज़्म एंड एडिटिंग (Textual Criticism and Editing)
5. डॉ. नगेन्द्र – साहित्य का रूपविज्ञान
6. डॉ. विजयदेव नारायण साही – आलोचना की पहली किताब
7. डॉ. काशीप्रसाद जायसवाल – पाठ संपादन: स्वरूप और प्रक्रिया
8. डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी – कविता और समय

द्वितीय सेमेस्टर

MA/HIN/2/VOC/451

कंप्यूटर का हिंदी में अनुप्रयोग

क्रेडिट: 4 | अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** | बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड में से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से
   एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×14= 56 अंक**)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

विधार्थियों को कंप्यूटर सम्बन्धी सामान्य जानकारी देना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

विद्यार्थियों की कंप्यूटर और उसके उपकरणों के प्रति ज्ञान में वृद्धि

कंप्यूटर और वेबसाइट, हिंदी पोर्टल की जानकारी प्राप्त होगी।

खंड क

कंप्यूटर (संगणक) प्रणाली: परिचय, अर्थ, परिभाषा

कंप्यूटर का उद्भव एवं विकास

कंप्यूटर उपकरण और प्रयोग आंकड़ा संसाधन

कंप्यूटर वर्तनी संशोधन

खंड ख

इन्टरनेट का ऐतिहासिक परिचय

इन्टरनेट के उपकरणों का परिचय, समय मितव्ययिता का सूत्र

वर्ल्ड वाइड वेब का विकास, प्रकार, डाउनलोड और अपलोड

खंड ग

हिंदी वेबसाइटस का परिचय, स्वरूप और उसका महत्त्व

हिंदी पोर्टल वेबसाइट : अर्थ, परिभाषा,

हिंदी पोर्टल वर्गीकरण का वर्गीकरण,

हिंदी पोर्टल की भाषा, साहित्य, पत्रिकाएं

खंड घ

हिंदी साहित्य से सम्बन्धित कुछ महत्त्वपूर्ण वेबसाइटस

ब्लॉगपोस्ट का अर्थ, स्वरूप, उपयोग और महत्त्व

सोशल साइट्स का परिचय, उपयोग और महत्त्व

सोशल साइट्स की समस्याएँ और समाधान

सदर्भ सूची :

1. आधुनिक कंप्यूटर विज्ञान – विनोद कुमार मिश्र
2. कंप्यूटर और हिंदी – हरिमोहन
3. आओ कंप्यूटर जाने – अमित गर्ग
4. कंप्यूटर बेसिक, – गुंजन शर्मा
5. अपना कंप्यूटर अपनी भाषा में – राजेश रंजन

द्वितीय सेमेस्टर

MA/HIN/2/VOC/451

प्रशिक्षण

क्रेडिट: 4

अध्यापन समय: 4 घंटे

अधिकतम अंक: **100**

संस्था रिपोर्ट: 30 अंक

अंतिम रिपोर्ट: 30 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 40 अंक

. उद्देश्य)Objectives of Internship)

- विद्यार्थियों को हिंदी भाषा, साहित्य और संप्रेषण कौशल के व्यावहारिक उपयोग का अनुभव देना।
- छात्रों को अनुवाद, लेखन, मीडिया, प्रकाशन, शिक्षण, सांस्कृतिक संगठन आदि में कार्य का अवसर प्रदान करना।
- विद्यार्थियों में रचनात्मकता, अनुसंधान क्षमता और पेशेवर जिम्मेदारी का विकास करना।

2. इंटर्नशिप की अवधि

- 4 से 8 सप्ताह
- कुल न्यूनतम 120–160 कार्य घंटे की इंटर्नशिप आवश्यक

3. संभावित इंटर्नशिप क्षेत्र

क्षेत्र	सभावित संस्था संगठन /
अनुवाद	राजभाषा विभाग, निजी अनुवाद एजेंसी, लोकलाइजेशन कंपनियाँ
पत्रकारितामीडिया/	समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, रेडियोटीवी चैनल/, वेब पोर्टल
शिक्षण कोचिंग /	विद्यालय, हिंदी कोचिंग सेंटर, टीचर ट्रेनिंग संस्थान
प्रकाशन संपादन /	प्रकाशन हाउस, ऑनलाइन पोर्टल, साहित्यिक पत्रिकाएँ
सांस्कृतिक संस्थान /NGO	साहित्यसंस्कृति पर कार्यरत एनजीओ/भाषा/
डिजिटल कंटेंट लेखन	ब्लॉग, वेब साइट, कंटेंट एजेंसी, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

4. इंटर्नशिप के घटक

6. कार्यपरियोजना (Work Assignment): संस्था द्वारा कार्य जैसे संपादन, अनुवाद, लेखन, रिपोर्टिंग आदि।
7. दैनिक प्रतिवेदन (Daily Log Book): छात्र अपनी दैनिक गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण दर्ज करेगा।

8. संस्था का मूल्यांकन (Mentor Feedback): संस्था द्वारा इंटर्न का प्रदर्शन मूल्यांकित किया जाएगा।
9. अंतिम रिपोर्ट (Internship Report): छात्र इंटर्नशिप के अनुभव व शिक्षण को लेकर 15–20 पृष्ठों की रिपोर्ट तैयार करेगा।
10. प्रस्तुतीकरण (Viva/Presentation): विभागीय समिति के समक्ष रिपोर्ट का मौखिक प्रस्तुतीकरण।

5. मूल्यांकन (Evaluation Criteria)

घटक	अंक
संस्था की रिपोर्ट प्रमाण पत्र /	30 अंक
अंतिम रिपोर्ट	30 अंक
मौखिक परीक्षा)Viva)	40 अंक
कुल अंक	100 अंक

6. रिपोर्ट लेखन का प्रारूप)Format of Internship Report)

1. भूमिका
2. संस्था का परिचय
3. कार्य का विवरण
4. अनुभव / समस्याएँ / समाधान
5. सीखी गई बातें (Learning Outcomes)
6. निष्कर्ष
7. प्रमाण-पत्र की प्रति

7. अतिरिक्त सुझाव

यदि छात्र चाहें तो स्वतंत्र परियोजना के रूप में लोक साहित्य संग्रह, भाषा सर्वेक्षण, मीडिया विश्लेषण, सोशल मीडिया लेखन आदि भी कर सकते हैं।

- इंटर्नशिप की रिपोर्ट को विश्वविद्यालय में कॉन्फ्रेंस / संगोष्ठी / पोस्टर प्रदर्शनी के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है।